ॐ

# नामरामायणम् : शुद्धब्रह्मपरात्पर राम्

## Nama Ramayanam : Shuddha Brahma Paratpara Raam

## जय श्री राम!

ॐ

**आदौ राम तपोवनादि गमनं हत्वा मृगं कांचनं । वैदेही हरणं जटायु मरणं सुग्रीव सम्भाषणं ॥**
**वाली निर्ग्रहणं समुद्र तरणं लंकापुरी दाहनं । पश्चात रावण कुम्बकर्ण हननं एतहि रामायणं ॥**

Once when Rama was sent to the forest (Ayodhya Kandam), He chased and killed a golden deer, meanwhile, Sita was kidnapped and Jatayu was killed(Aranya Kandam). Then there were discussions and planning with Sugreeva (for the war), Vali was killed(Kishkinta Kandam), the oceans were crossed and Lanka was burnt (Sundara Kandam). Then Sri Rama slayed Kumbakarna and Ravana and rescued Sita (Yuddha Kandam). This is the gist of Ramayanam.

ॐ

# ॥ बालकाण्डम् ॥

## The Chapter on Childhood

ॐ

शुद्धब्रह्मपरात्पर राम् ॥१॥
कालात्मकपरमेश्वर राम् ॥२॥
शेषतल्पसुखनिद्रित राम् ॥३॥
ब्रह्माद्यामरप्रार्थित राम् ॥४॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Shuddha-Brahma-Paraatpara Raam ||1||

Kaala-[A]atmaka-Parameshvara Raam ||2||

Shessa-Talpa-Sukha-Nidrita Raam ||3||

Brahmaadya-Amara-Praarthita Raam ||4||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

चण्डकिरणकुलमण्डन राम् ॥५॥
श्रीमद्दशरथनन्दन राम् ॥६॥
कौसल्यासुखवर्धन राम् ॥७॥
विश्वामित्रप्रियधन राम् ॥८॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Canndda-Kiranna-Kula-Mannddana Raam ||5||

Shriimad-Dasharatha-Nandana Raam ||6||

Kausalyaa-Sukha-Vardhana Raam ||7||

Vishvaamitra-Priya-Dhana Raam ||8||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

घोरताटकाघातक राम् ॥९॥
मारीचादिनिपातक राम् ॥१०॥
कौशिकमखसंरक्षक राम् ॥११॥
श्रीमदहल्योद्धारक राम् ॥१२॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Ghora-Taattakaa-Ghaataka Raam ||9||

Maariica-[A]adi-Nipaataka Raam ||10||

Kaushika-Makha-Samrakssaka Raam ||11||

Shriimad-Ahalyo[a-U]ddhaaraka Raam ||12||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

गौतममुनिसंपूजित राम् ॥१३॥
सुरमुनिवरगणसंस्तुत राम् ॥१४॥
नाविकधावितमृदुपद राम् ॥१५॥
मिथिलापुरजनमोहक राम् ॥१६॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Gautama-Muni-Sampuujita Raam ||13||

Sura-Muni-Vara-Ganna-Samstuta Raam ||14||

Naavika-Dhaavita-Mrdu-Pada Raam ||15||

Mithilaa-Pura-Jana-Mohaka Raam ||16||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

विदेहमानसरञ्जक राम् ॥१७॥
त्र्यंबककार्मुकभञ्जक राम् ॥१८॥
सीतार्पितवरमालिक राम् ॥१९॥
कृतवैवाहिककौतुक राम् ॥२०॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Videha-Maana-Sa-Ran.jaka Raam ||17||

Try[i]-Ambaka-Kaarmuka-Bhan.jaka Raam ||18||

Siitaa-[A]rpita-Vara-Maalika Raam ||19||

Krta-Vaivaahika-Kautuka Raam ||20||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

भार्गवदर्पविनाशक राम् ॥२१॥
श्रीमदयोध्यापालक राम् ॥२२॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Bhaargava-Darpa-Vinaashaka Raam ||21||

Shriimad-Ayodhyaa-Paalaka Raam ||22||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

“ततो यज्ञे समाप्ते तु ऋतूनाम् षट् समत्ययुः ।
ततः च द्वादशे मासे चैत्रे नावमिके तिथौ ॥१-१८-८॥
नक्षत्रे अदिति दैवत्ये स्व उच्छ संस्थेषु पंचसु ।
ग्रहेषु कर्कटे लग्ने वाक्पता इंदुना सह ॥१-१८-९॥
प्रोद्यमाने जगन्नाथम् सर्व लोक नमस्कृतम् ।
कौसल्या अजनयत् रामम् सर्व लक्षण संयुतम् ॥
१-१८-१०॥
विष्णोः अर्धम् महाभागम् पुत्रम् ऐक्ष्वाकु नंदनम् ।
लोहिताक्षम् महाबाहुम् रक्त ओष्टम् दुंदुभि स्वनम् ॥
१-१८-११॥

On completion of the ritual six seasons have passed by and then in the twelfth month, on the ninth day of Chaitra month [April–May,] when the presiding deity of ruling star of the day is Aditi, where the ruling star of day is Punarvasu (Nakshatra), the asterism is in the ascendant and when five of the nine planets - Sun, Mars, Jupiter, Saturn and Venus are at their highest position, when Jupiter with Moon is ascendant in Cancer and when day is advancing, then Queen Kausalya gave birth to a son with all the divine attributes like lotus-red eyes, lengthy arms, roseate lips, voice like drumbeat and who took birth to delight the Ikshwaku dynasty, who is adored by all the worlds and who is the greatly blessed epitome of Vishnu, namely Rama.

ॐ

# ॥ अयोध्याकाण्डम् ॥

## The Chapter on Ayodhya

ॐ

अगणितगुणगणभूषित राम् ॥२३॥
अवनीतनयाकामित राम् ॥२४॥
राकाचन्द्रसमानन राम् ॥२५॥
पितृवाक्याश्रितकानन राम् ॥२६॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

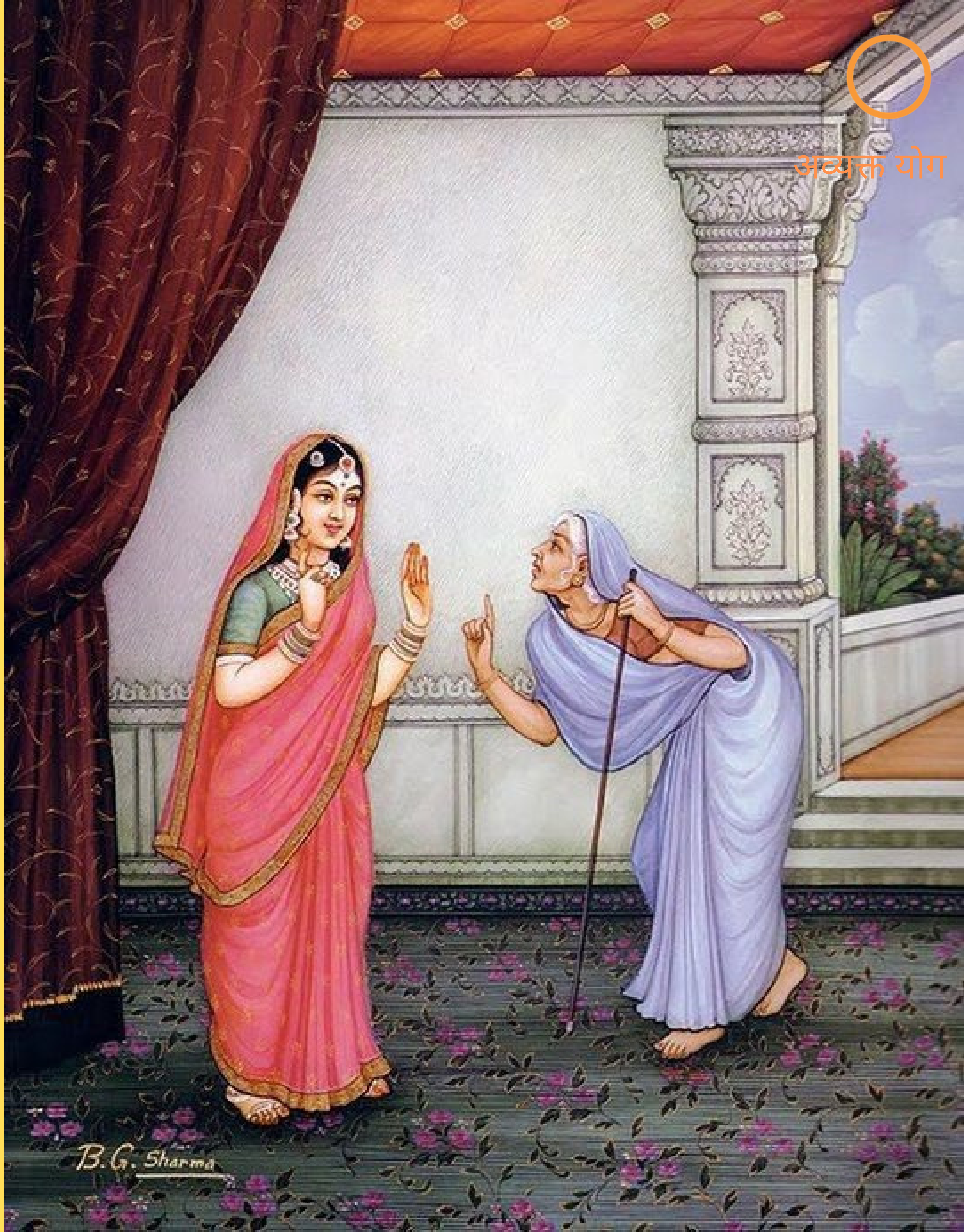

**Agannita-Gunna-Ganna-Bhuussita Raam ||23||**

**Avanii-Tanayaa-Kaamita Raam ||24||**

**Raakaa-Candra-Sama-[A]anana Raam ||25||**

**Pitr-Vaakya-[A]ashrita-Kaanana Raam ||26||**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

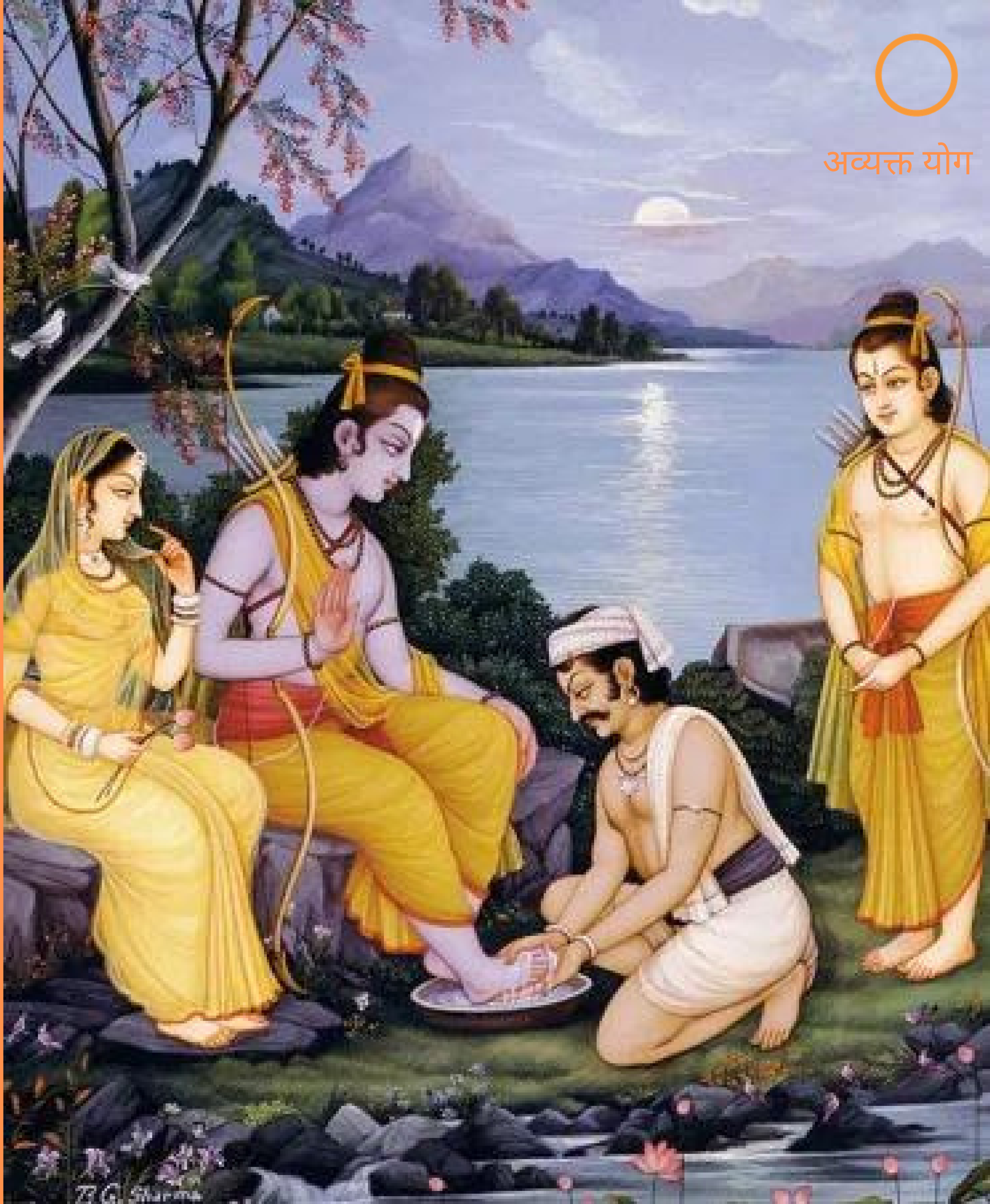

ॐ

प्रियगुहविनिवेदितपद राम् ॥२७॥
तत्क्षालितनिजमृदुपद राम् ॥२८॥
भरद्वाजमुखानन्दक राम् ॥२९॥
चित्रकूटाद्रिनिकेतन राम् ॥३०॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

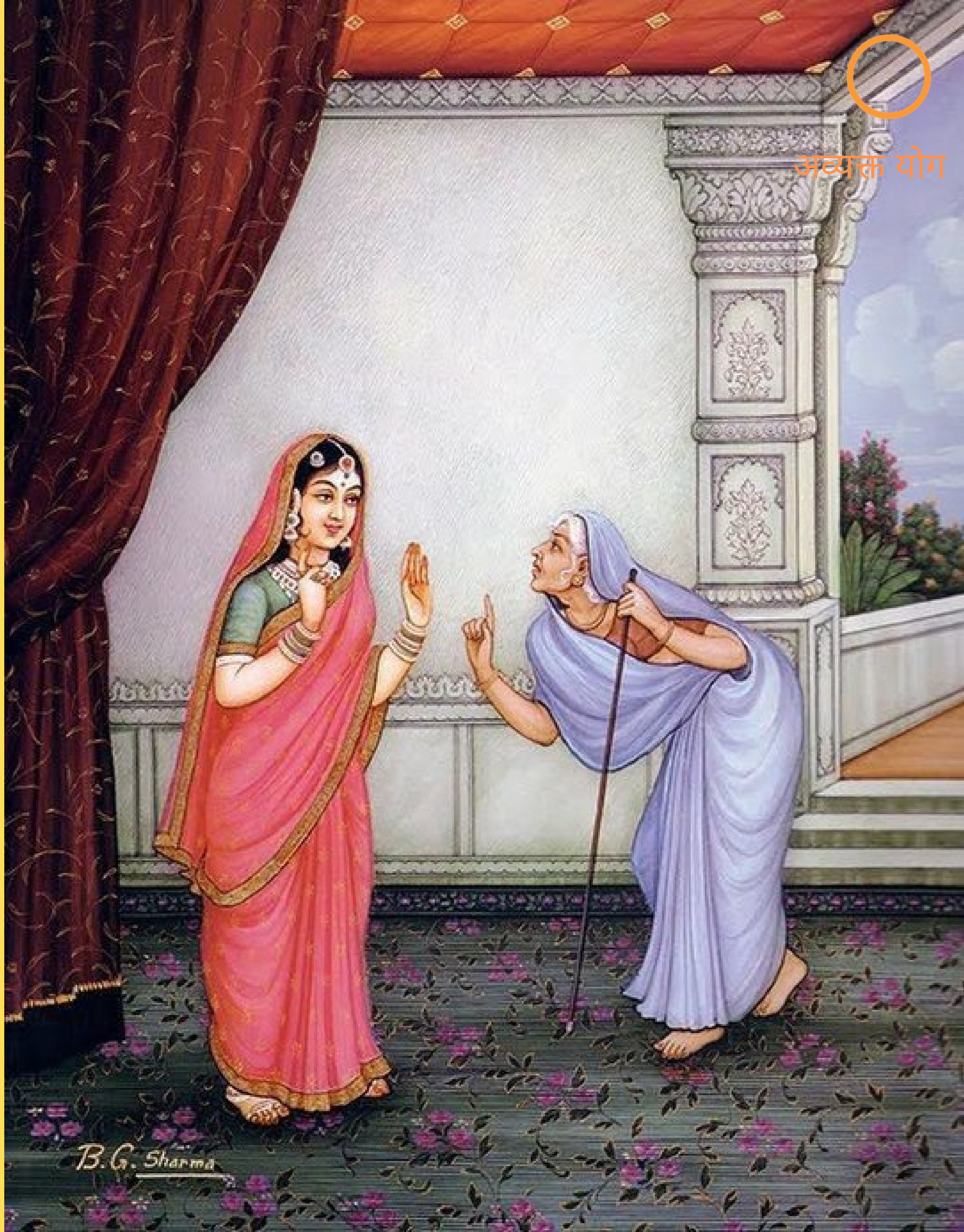

**Priya-Guha-Vi-Nivedita-Pada Raam ||27||**

**Tat-Kssaalita-Nija-Mrdu-Pada Raam ||28||**

**Bharadvaaja-Mukha-[A]anandaka Raam ||29||**

**Citrakuutta-Adri-Niketana Raam ||30||**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

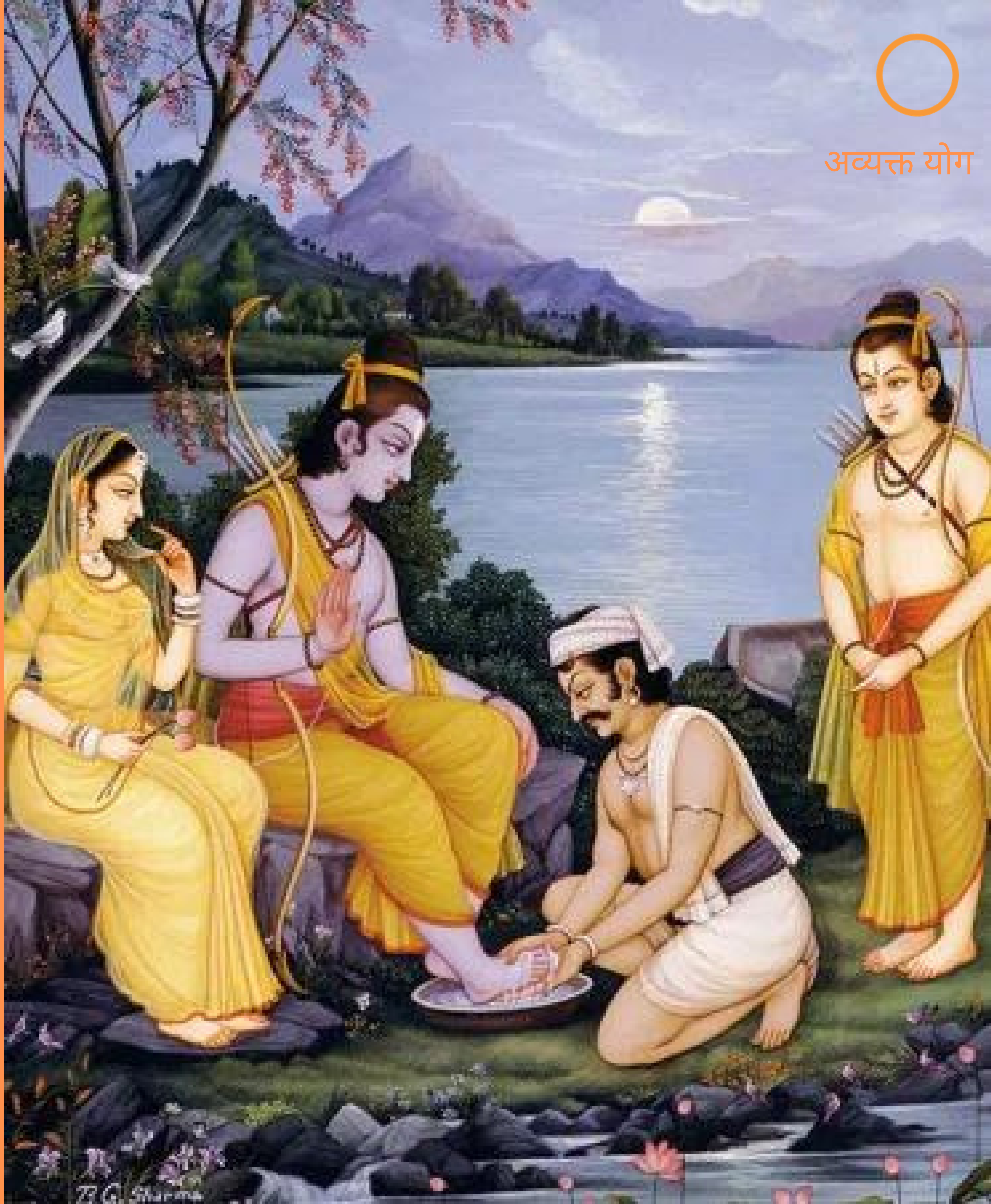

ॐ

दशरथसन्ततचिन्तित राम् ॥३१॥
कैकेयीतनयार्थित राम् ॥३२॥
विरचितनिजपितृकर्मक राम् ॥३३॥
भरतार्पितनिजपादुक राम् ॥३४॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

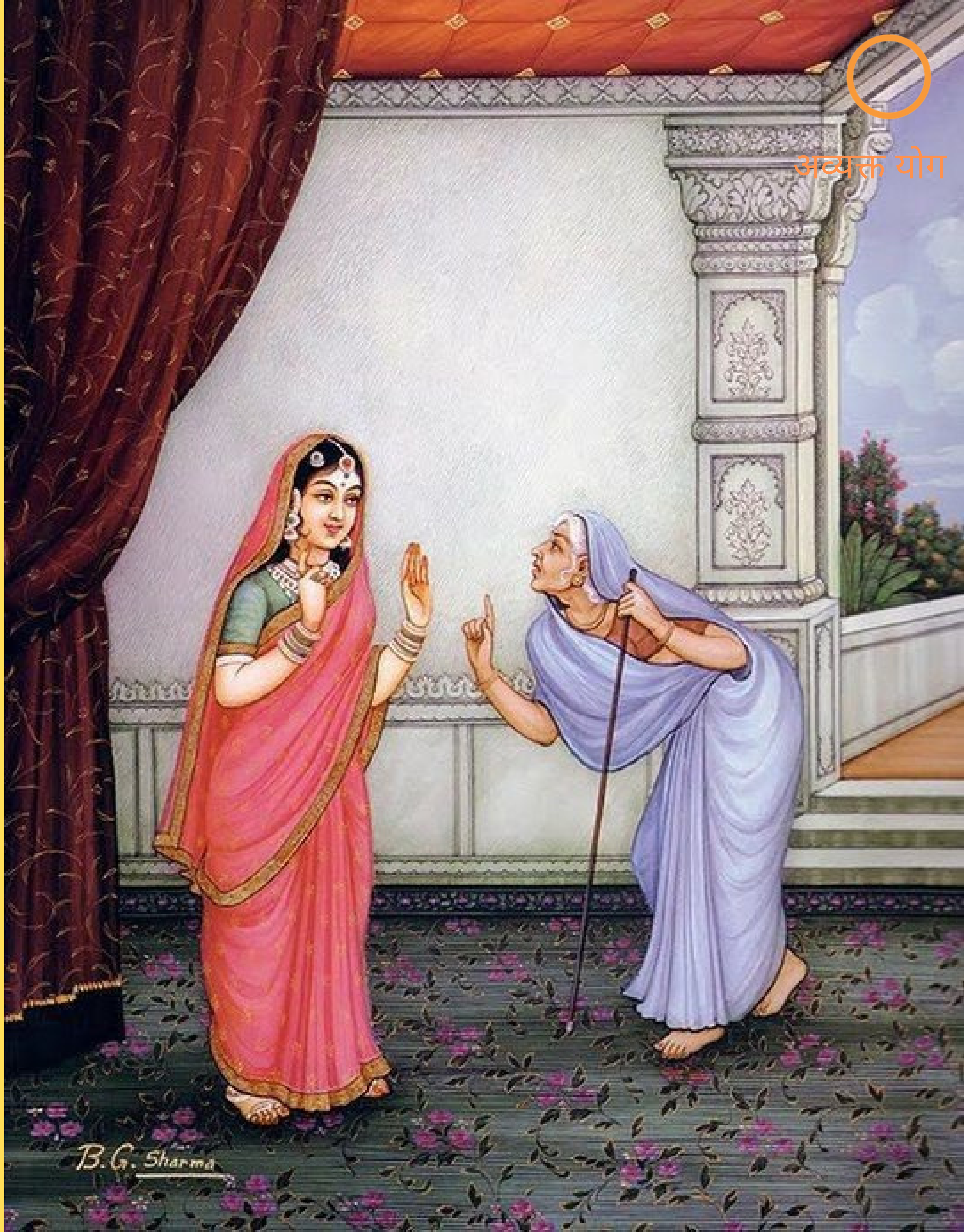

Dasharatha-Santata-Cintita Raam ||31||

Kaikeyii-Tanaya-Arthita Raam ||32||

Viracita-Nija-Pitr-Karmaka Raam ||33||

Bharata-Arpita-Nija-Paaduka Raam ||34||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

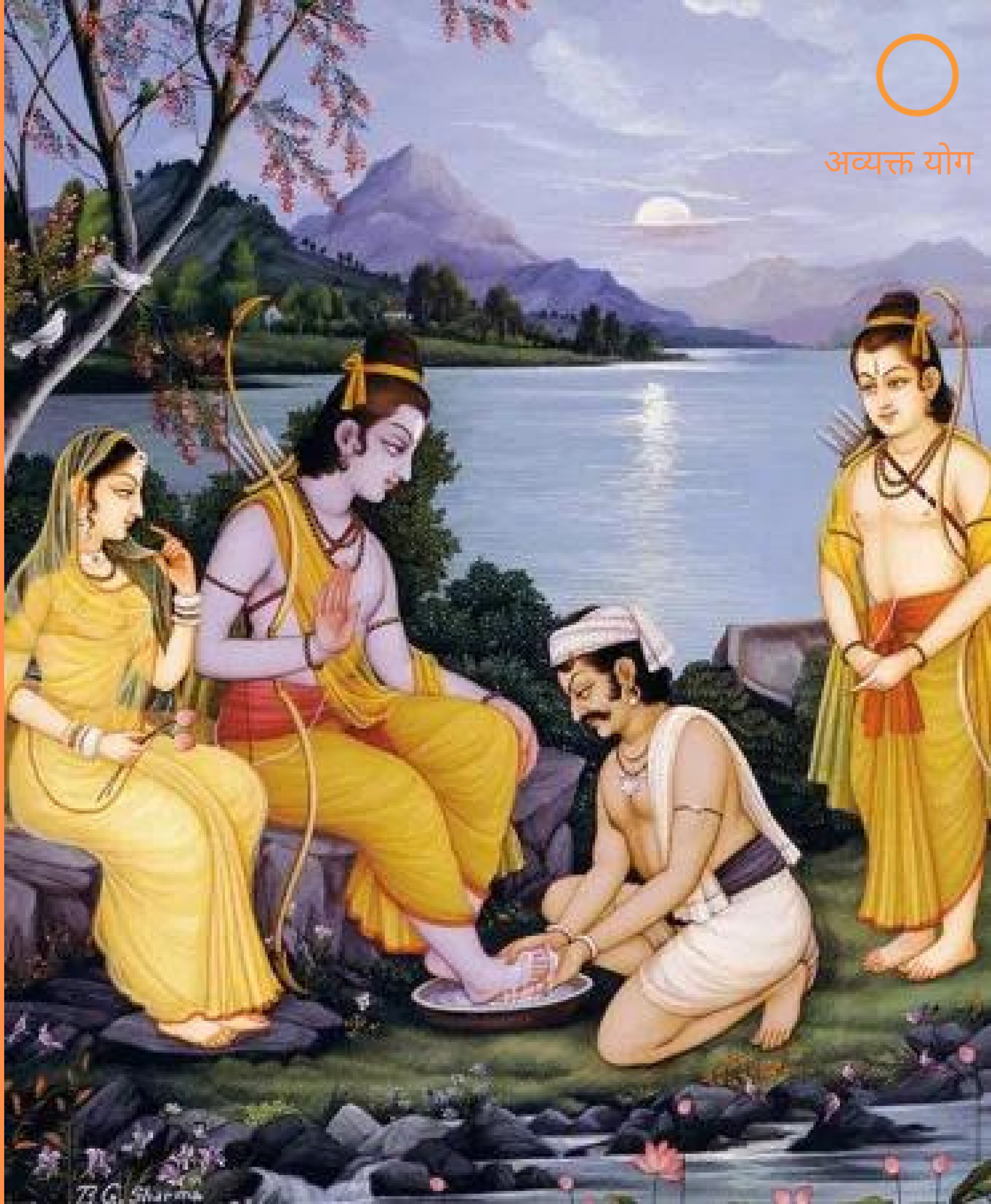

ॐ

# ॥ अरण्यकाण्डम् ॥

## In the Forest

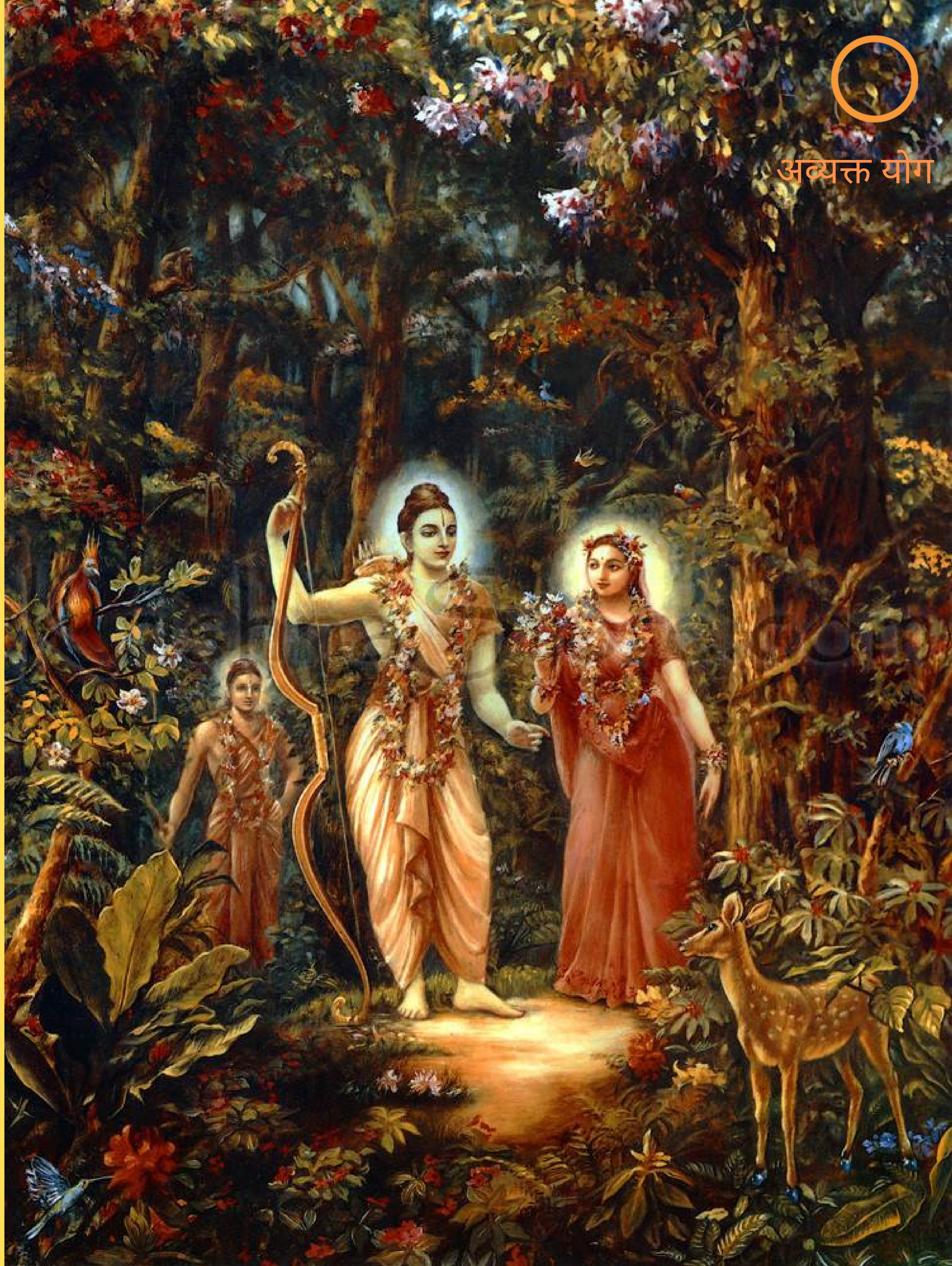

ॐ

दण्डकवनजनपावन राम् ॥३५॥
दुष्टविराधविनाशन राम् ॥३६॥
शरभङ्गसुतीक्ष्णार्चित राम् ॥३७॥
अगस्त्यानुग्रहवर्धित राम् ॥३८॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Dannddakavana-Jana-Paavana Raam ||35||

Dussta-Viraadha-Vinaashana Raam ||36||

Sharabhangga-Sutiikssnna-Arcita Raam ||37||

Agastya-Anugraha-Vardhita Raam ||38||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

गृध्राधिपसंसेवित राम् ॥३९॥
पञ्चवटीतटसुस्थित राम् ॥४०॥
शूर्पणखार्तिविधायक राम् ॥४१॥
खरदूषणमुखसूदक राम् ॥४२॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

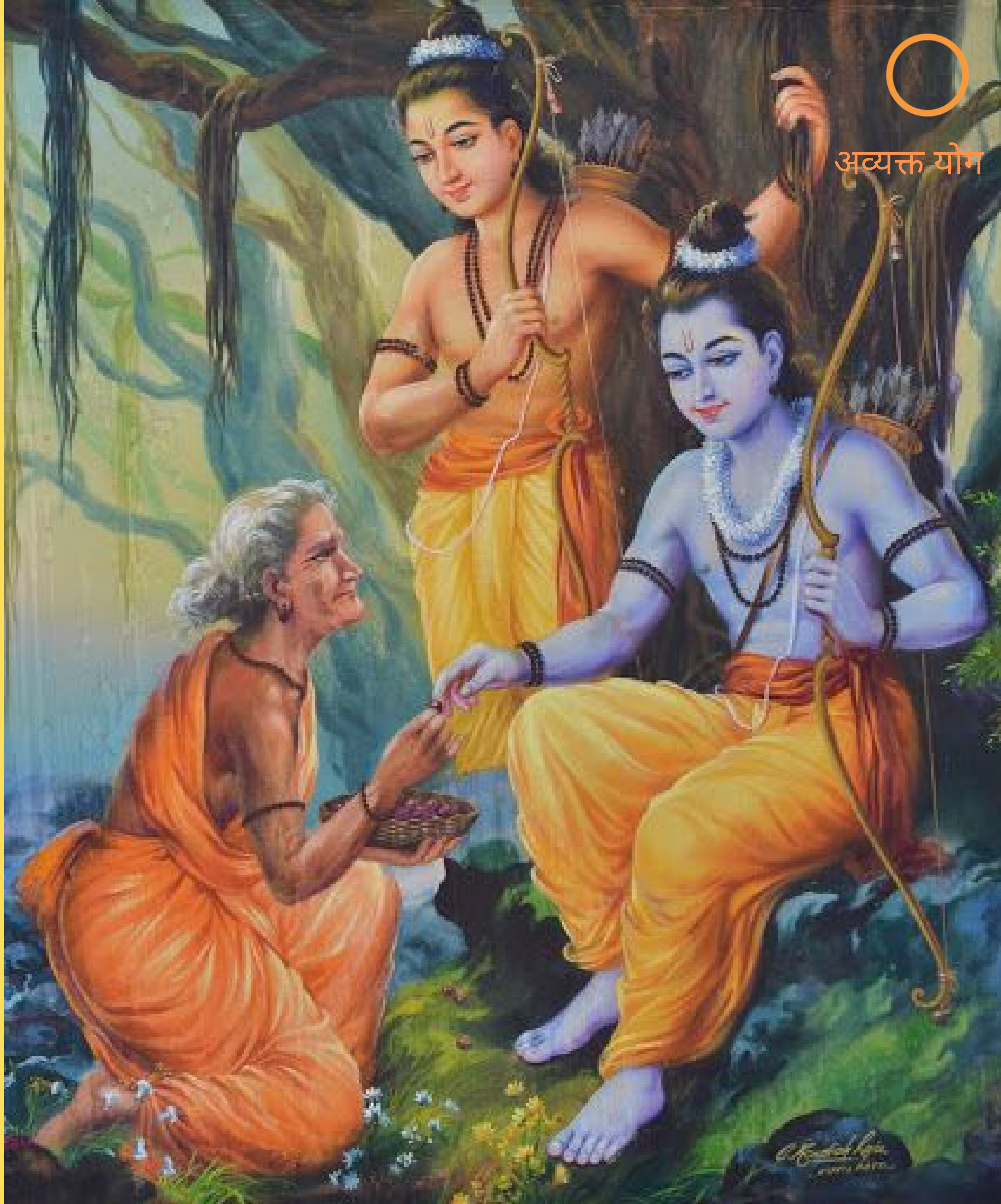

Grdhra-Adhipa-Samsevita Raam ||39||

Pan.cavattii-Tatta-Su-Sthita Raam ||40||

Shuurpannakha[a-A]arti-Vidhaayaka Raam ||41||

Khara-Duussanna-Mukha-Suudaka Raam ||42||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

**सीताप्रियहरिणानुग राम् ॥४३॥**
**मारीचार्तिकृदाशुग राम् ॥४४॥**
**विनष्टसीतान्वेषक राम् ॥४५॥**
**गृध्राधिपगतिदायक राम् ॥४६॥**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

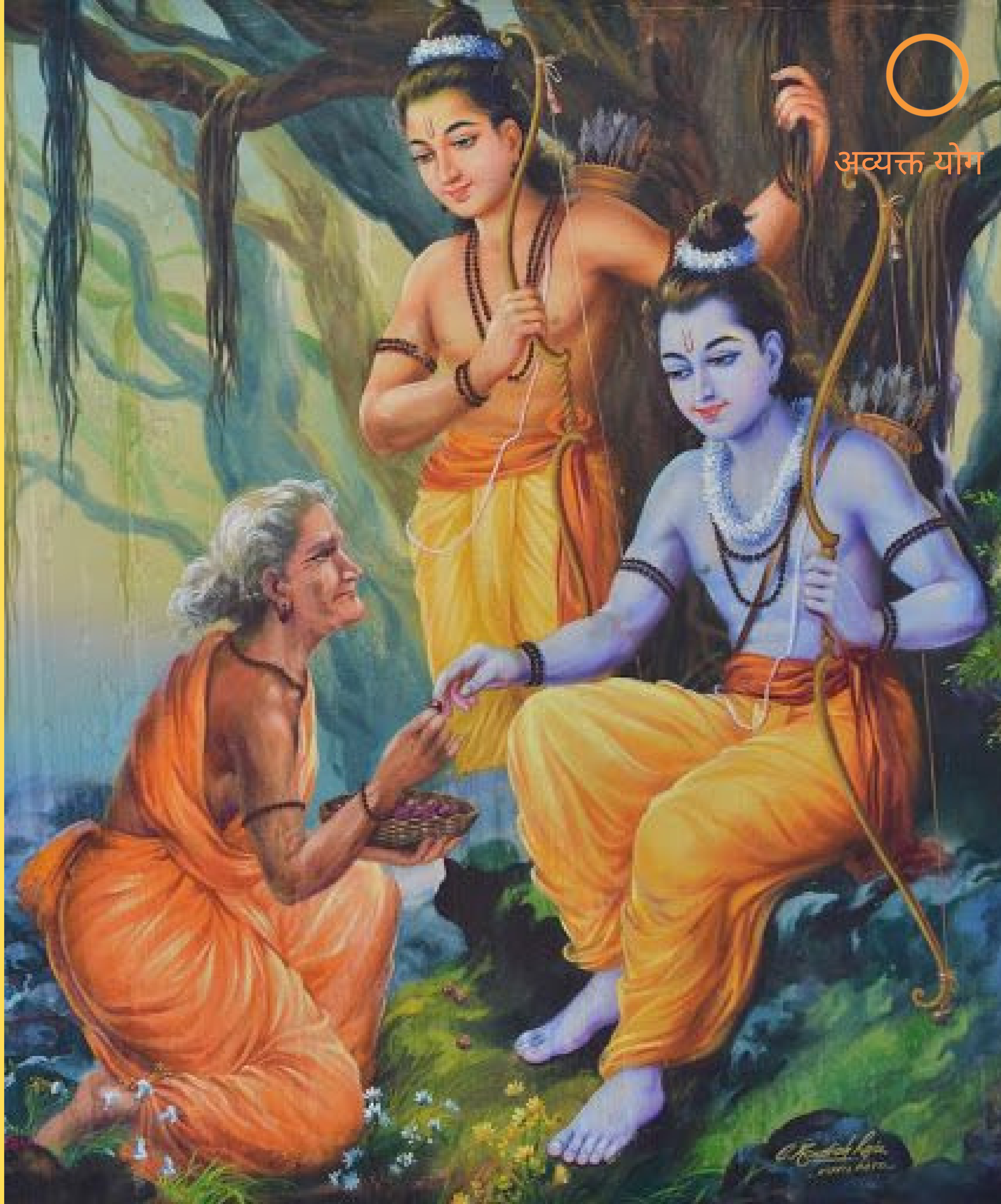

**Siitaa-Priya-Harinna-Anuga Raam ||43||**

**Maariica-[A]arti-Krda-[A]ashuga Raam ||44||**

**Vinasstta-Siitaa-[A]nvessaka Raam ||45||**

**Grdhra-Adhipa-Gati-Daayaka Raam ||46||**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

ॐ

शबरीदत्तफलाशन राम् ॥४७॥
कबन्धबाहुच्छेदक राम् ॥४८॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

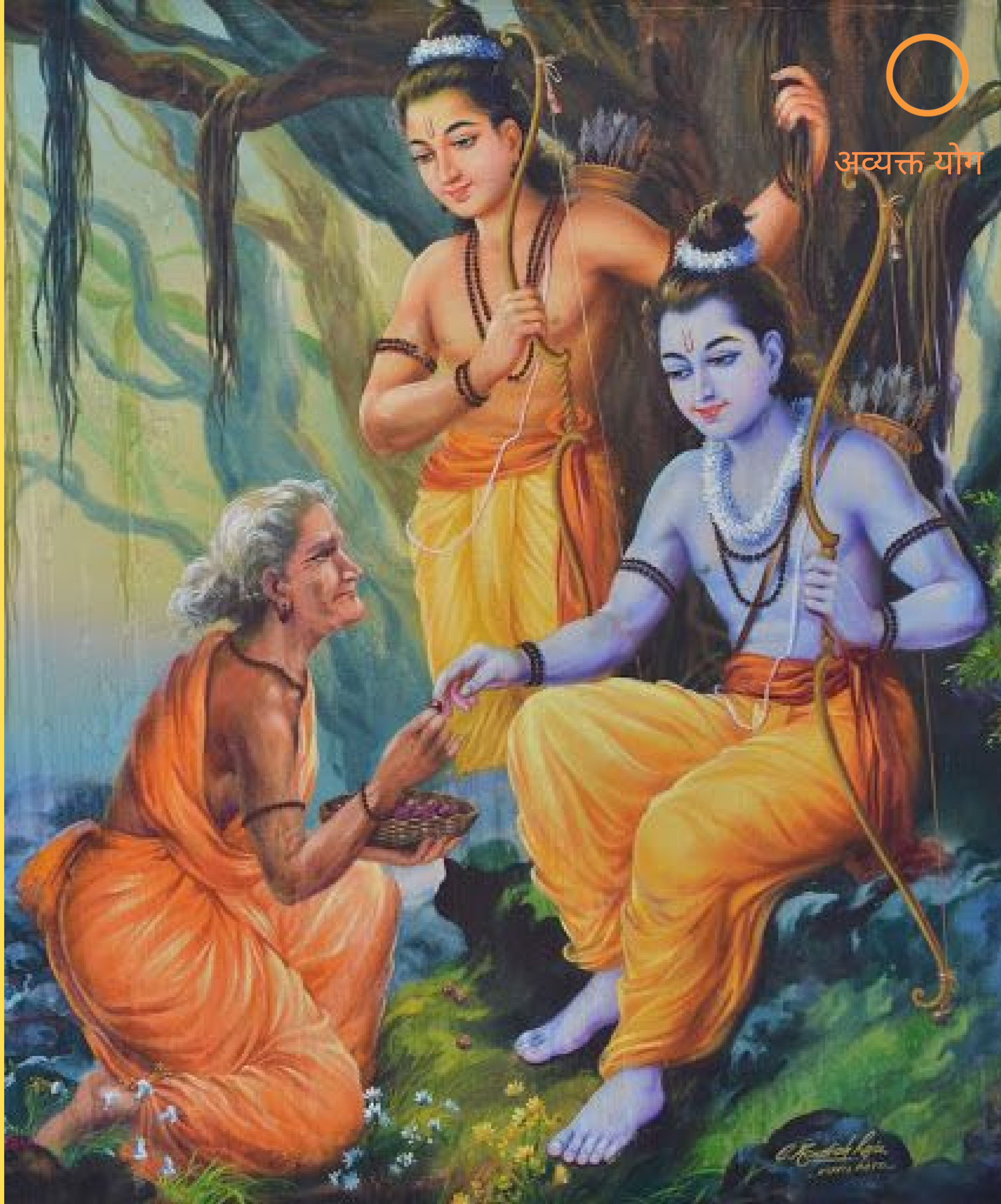

Shabarii-Datta-Phala-Ashana Raam ||47||

Kabandha-Baahuc-Chedaka Raam ||48||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

# ॥ किष्किन्धाकाण्डम् ॥

## The Chapter on Kisskindhaa, the Empire of the Vanaras

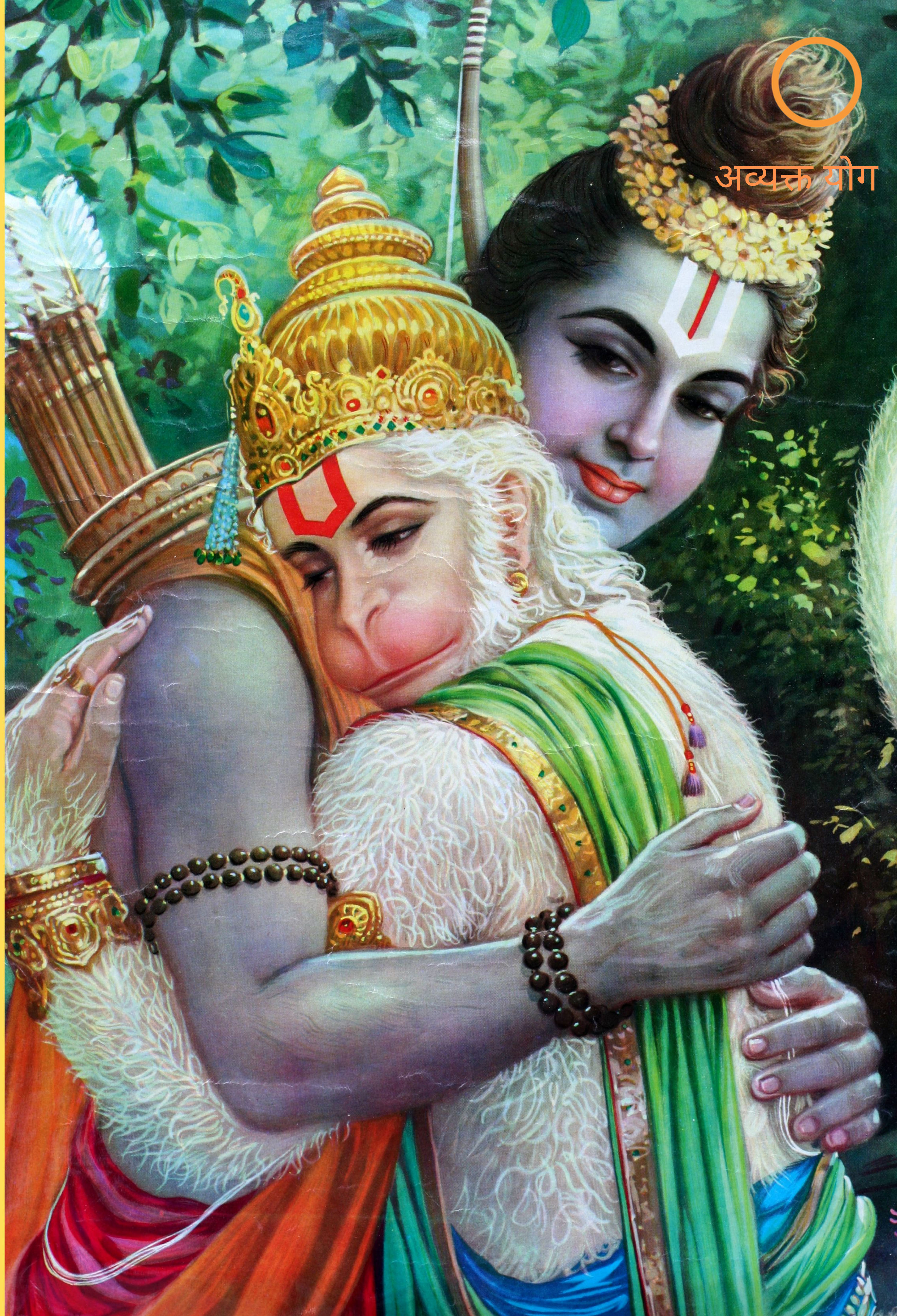

ॐ

हनुमत्सेवितनिजपद राम् ॥४९॥
नतसुग्रीवाभीष्टद राम् ॥५०॥
गर्वितवालिसंहारक राम् ॥५१॥
वानरदूतप्रेषक राम् ॥५२॥
हितकरलक्ष्मणसंयुत राम् ॥५३॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

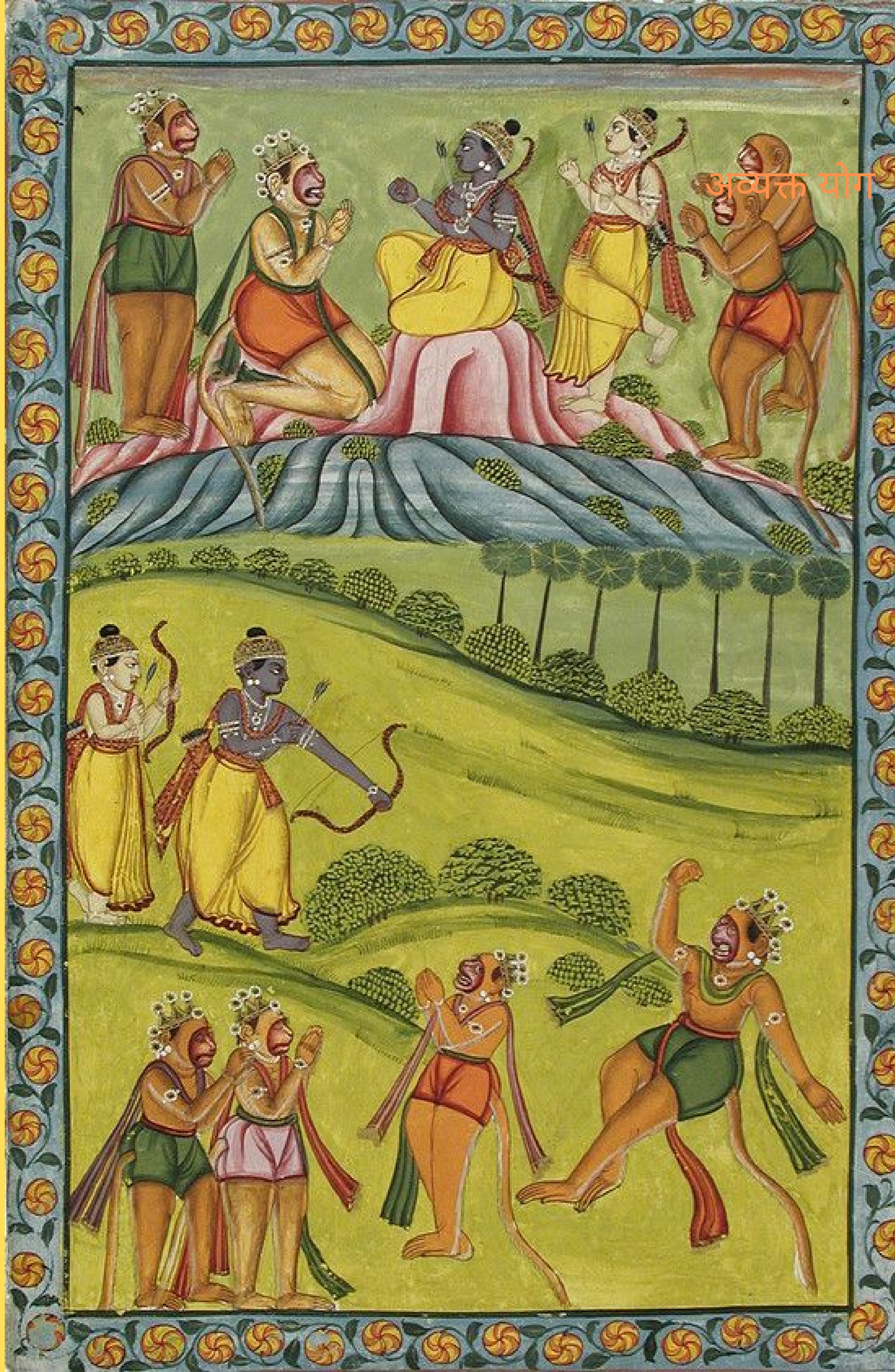

**Hanumat-Sevita-Nija-Pada Raam ||49||**

**Nata-Sugriiva-Abhiisstta-Da Raam ||50||**

**Garvita-Vaali-Samhaaraka Raam ||51||**

**Vaanara-Duuta-Pressaka Raam ||52||**

**Hitakara-Lakssmanna-Samyuta Raam ||53||**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

ॐ

# ॥ सुन्दरकाण्डम् ॥

## The Chapter on Hanuman's meeting with Devi Sita at Lanka

अव्यक्त योग

ॐ

कपिवरसन्ततसंस्मृत राम् ॥५४॥
तद्गतिविघ्नध्वंसक राम् ॥५५॥
सीताप्राणाधारक राम् ॥५६॥
दुष्टदशाननदूषित राम् ॥५७॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Kapi-Vara-Santata-Samsmrta Raam ||54||

Tad-Gati-Vighna-Dhvamsaka Raam ||55||

Siitaa-Praanna-[A]adhaaraka Raam ||56||

Dusstta-Dasha-[A]anana-Duussita Raam ||57||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

शिष्टहनूमद्भूषित राम् ॥५८॥
सीतावेदितकाकावन राम् ॥५९॥
कृतचूडामणिदर्शन राम् ॥६०॥
कपिवरवचनाश्वासित राम् ॥६१॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Shisstta-Hanuumad-Bhuussita Raam ||58||

Siitaa-Vedita-Kaakaa-Vana Raam ||59||

Krta-Cuuddaamanni-Darshana Raam ||60||

Kapi-Vara-Vacana-[A]ashvaasita Raam ||61||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

# ॥ युध्दकाण्डम् ॥

## The Chapter on Battle

ॐ

रावणनिधनप्रस्थित राम् ॥६२॥
वानरसैन्यसमावृत राम् ॥६३॥
शोषितसरिदीशार्थित राम् ॥६४॥
विभीषणाभयदायक राम् ॥६५॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Raavanna-Nidhana-Prasthita Raam ||62||

Vaanara-Sainya-Samaavrta Raam ||63||

Shossita-Sarid-Iisha-Arthita Raam ||64||

Vibhiissanna-Abhaya-Daayaka Raam ||65||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

पर्वतसेतुनिबन्धक राम् ॥६६॥
कुम्भकर्णशिरच्छेदक राम् ॥६७॥
राक्षससङ्घविमर्दक राम् ॥६८॥
अहिमहिरावणचारण राम् ॥६९॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Parvata-Setu-Nibandhaka Raam ||66||

Kumbhakarnna-Shirac-Chedaka Raam ||67||

Raakssasa-Sanggha-Vimardaka Raam ||68||

Ahimahiraavanna-Caaranna Raam ||69||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

संहृतदशमुखरावण राम् ॥७०॥
विधिभवमुखसुरसंस्तुत राम् ॥७१॥
खस्थितदशरथवीक्षित राम् ॥७२॥
सीतादर्शनमोदित राम् ॥७३॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

**Samhrta-Dasha-Mukha-Raavanna Raam ||70||**

**Vidhi-Bhava-Mukha-Sura-Samstuta Raam ||71||**

**Kha-Sthita-Dasharatha-Viikssita Raam ||72||**

**Siitaa-Darshana-Modita Raam ||73||**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

ॐ

अभिषिक्तविभीषणनत राम् ॥७४॥
पुष्पकयानारोहण राम् ॥७५॥
भरद्वाजादिनिषेवण राम् ॥७६॥
भरतप्राणप्रियकर राम् ॥७७॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Abhissikta-Vibhiissanna-Nata Raam ||74||

Pusspaka-Yaana-[A]arohanna Raam ||75||

Bharadvaaja-[A]adi-Nissevanna Raam ||76||

Bharata-Praanna-Priyakara Raam ||77||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

साकेतपुरीभूषण राम् ॥७८॥
सकलस्वीयसमानत राम् ॥७९॥
रत्नलसत्पीठास्थित राम् ॥८०॥
पट्टाभिषेकालंकृत राम् ॥८१॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Saaketa-Purii-Bhuussanna Raam ||78||

Sakala-Sviiya-Samaanata Raam ||79||

Ratna-Lasat-Piitthaa-Sthita Raam ||80||

Patttta-Abhisseka-Alamkrta Raam ||81||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

पार्थिवकुलसम्मानित राम् ॥८२॥
विभीषणार्पितरङ्गक राम् ॥८३॥
कीशकुलानुग्रहकर राम् ॥८४॥
सकलजीवसंरक्षक राम् ॥८५॥
समस्तलोकाधारक राम् ॥८६॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

**Paarthiva-Kula-Sammaanita Raam ||82||**

**Vibhiissanna-Arpita-Ranggaka Raam ||83||**

**Kiisha-Kula-Anugraha-Kara Raam ||84||**

**Sakala-Jiiva-Samrakssaka Raam ||85||**

**Samasta-Loka-[A]adhaaraka Raam ||86||**

**राम् राम् जय राजा राम् ।**
**राम् राम् जय सीता राम् ।**

ॐ

# ॥ उत्तरकाण्डम् ॥

## The Last Chapter

ॐ

आगतमुनिगणसंस्तुत राम् ॥८७॥
विश्रुतदशकण्ठोद्भव राम् ॥८८॥
सीतालिङ्गननिर्वृत राम् ॥८९॥
नीतिसुरक्षितजनपद राम् ॥९०॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Aagata-Muni-Ganna-Samstuta Raam ||87||

Vishruta-Dasha-Kanttho-[U]dbhava Raam ||88||

Siita-[A]alinggana-Nirvrta Raam ||89||

Niiti-Surakssita-Janapada Raam ||90||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

विपिनत्याजितजनकज राम् ॥९१॥
कारितलवणासुरवध राम् ॥९२॥
स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत राम् ॥९३॥
स्वतनयकुशलवनन्दित राम् ॥९४॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Vipina-Tyaajita-Janaka-Ja Raam ||91||

Kaarita-Lavannaasura-Vadha Raam ||92||

Svargata-Shambuka-Samstuta Raam ||93||

Sva-Tanaya-Kusha-Lava-Nandita Raam ||94||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

अश्वमेधक्रतुदीक्षित राम् ॥९५॥
कालावेदितसुरपद राम् ॥९६॥
आयोध्यकजनमुक्तिद राम् ॥९७॥
विधिमुखविबुधानन्दक राम् ॥९८॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Ashvamedha-Kratu-Diikssita Raam ||95||

Kaalaa-Vedita-Sura-Pada Raam ||96||

Aayodhyaka-Jana-Mukti-Da Raam ||97||

Vidhi-Mukha-Vibudha-[A]anandaka Raam ||98||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

तेजोमयनिजरूपक राम् ॥९९॥
संसृतिबन्धविमोचक राम् ॥१००॥
धर्मस्थापनतत्पर राम् ॥१०१॥
भक्तिपरायणमुक्तिद राम् ॥१०२॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Tejomaya-Nija-Ruupaka Raam ||99||

Samsrti-Bandha-Vimocaka Raam ||100||

Dharma-Sthaapana-Tatpara Raam ||101||

Bhakti-Paraayanna-Mukti-Da Raam ||102||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

सर्वचराचरपालक राम् ॥१०३॥
सर्वभवामयवारक राम् ॥१०४॥
वैकुण्ठालयसंस्थित राम् ॥१०५॥
नित्यानन्दपदस्थित राम् ॥१०६॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Sarva-Cara-Acara-Paalaka Raam ||103||

Sarva-Bhava-[A]amaya-Vaaraka Raam ||104||

Vaikunnttha-[A]alaya-Samsthita Raam ||105||

Nitya-[A]ananda-Padasthita Raam ||106||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

राम् राम् जय जय राजा राम् ॥१०७॥
राम् राम् जय जय सीता राम् ॥१०८॥

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

Raam Raam Jaya Jaya Raajaa Raam ||107||

Raam Raam Jaya Jaya Siitaa Raam ||108||

राम् राम् जय राजा राम् ।
राम् राम् जय सीता राम् ।

ॐ

# श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की हार्दिक शुभकामनाएँ!

## जय श्री राम!

रोहित, रवीना और रोहामृत

Rohit, Ravina & Rohāmrta

avyakta.yoga